दूसरों के व्यवहार से अपनी वाणी को बदलें नहीं - ब्र.कु.शिवानी

उल्हासनगर। टाउन हॉल में 'की टू हैपीनेस' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.शिवानी एवं ध्यानपूर्वक सुनते हुए शहर के गणमान्य नागरिक।

उल्हासनगर। स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा शहर के टॉउन हॉल में ''की टू हैपीनेस' विषय पर त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए आस्था चैनल में ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य वक्ता ब्र.कु.शिवानी ने कहा कि हमें अगर अपने सम्बन्धों को सुधारना है तो इसकी शुरुआत स्वयं से ही करनी होगी। हमें अपने सम्बन्धों में यह ध्यान रखना होगा कि हमें सिर्फ देना है लेने की वृत्ति नहीं रखनी है। हम अपनी खुशी को किसी साधन, कोई काम हो जाने पर या प्रोमोशन होने पर या किसी व्यक्ति के व्यवहार पर वा परिस्थिति पर आधारित रखते हैं माना कि हम अपने मन का रिमोट कंट्रोल दूसरे के हाथ में दे देते हैं। वास्तव में हम अपनी खुशी के जिम्मेवार स्वयं हैं। यदि हम दूसरों को खुशी, प्रेम, स्नेह, बांटते हैं तो हमें रिटर्न में खुशी ही मिलती है। उन्होंने कहा कि सफल जीवन जीने के लिए हमें दो बातें सदा स्मृति में रखनी है पहली कि किसी की भी गलती को क्षमा कर देना है और मन में नहीं रखना है। दूसरा हमें अपना व्यक्तित्व, दूसरों के निगेटिव व्यक्तित्व से प्रभावित होकर बदलना नहीं है। अगर आप सबसे प्यार से बात करते हैं तो प्यार से ही करिए उसे दूसरों के व्यवहार के आधार पर बदलें नहीं। आप अपनी खुशी की चाबी को संभालकर रखें तो आप सदा खुश रहेंगे।विधायक कुमार आयलानी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा ऐसे कार्यक्रम शहर और शहरवासियों को शांति, प्रेम और खुशी से रहने का पाठ पढ़ाते है और जीवन में दिव्य गुणों का क्या महत्व है ये सिखाते हैं। इस कार्यक्रम में मेयर आशा इदनानी, जीवन इदनानी, डेप्यूटी मेयर जमनू पुरसवानी, रीजेंसी ग्रूप ऑफ बिल्डर्स के महेश अग्रवाल, महाराष्ट्र एवं आंध्रप्रदेश में सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्र.कु.संतोष, ब्र.कु.सोम एवं ब्र.कु.पुष्पा व्यपारी मंडल के सद्स्यगण, शहर के एसोसिएशन क सद्स्य सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्र के विकास का पहिया है किसान - आदित्य

ज्ञानसरोवर। देश के विकास का पहिया गांव के किसान से चलता है, भ्रष्टाचार कानून से नहीं। भ्रष्टाचार कानून द्वारा नहीं बल्कि आध्यात्मिक विद्या से संस्कारित होने पर ही इसे दूर किया जा सकता है।

उक्त उद्गार ग्रामीण विकास मंत्रालय के केंद्रीय राज्यमंत्री प्रदीप कुमार जैन आदित्य ने ब्रह्माकुमारीज़ के ग्रामीण विकास प्रभाग द्वारा आयोजित 'स्वर्णिम भारत की ओर बढ़ते कदम शाश्वत् यौगिक कृषि' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सात लाख से अधिक गांवों में बसने वाला आम आदमी खेती पर निर्भर करता है। ग्राम्य परिवेश की संस्कृति आज भी प्राचीन संस्कृति की याद को तरोताजा कर देती है। आज शिक्षा की नहीं बल्कि विद्या की आवश्यकता है। शिक्षा से रोजगार तो प्राप्त हो सकता है लेकिन संस्कार व व्यक्तित्व तो आध्यात्मिक विद्या द्वारा ही निर्मित हो सकता है। उन्होंने कहा कि गांवों के विकास के लिए जो धनराशि सरकार से पारित होती है वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है। सरकारी योजनाओं का लाभ आम किसान तक पहुंचाने में यदि ब्रह्माकुमारी संस्था सेतु का कार्य करे तो यह हमारा सौभाग्य होगा।

बिहार सरकार के गन्ना उद्योग एवं जल संसाधन मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि बिहार में कृषि क्षेत्र के विकास तथा किसानों के विकास के लिए इन्द्रधनुष क्रांति कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सकारात्मक सोच के कारण ही किसानों की आर्थिक व आध्यात्मिक उन्नति के साथ ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की ओर से जो यौगिक खेती का कार्य आरंभ किया गया है उसके सकारात्मक परिणाम से किसानों में कृषि के क्षेत्र में नई क्रांति का संचार हुआ है। यदि श्रेष्ठ विचार से खेती की जाए तो फसल उत्तम प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि आज अनेक राज्यों में अत्याधिक रासायनिक खादों के प्रयोग से जमीन की उर्वरता शक्ति समाप्त हो चुकी है। अब आवश्यकता है हमें अपनी प्राचीन पद्धति की ओर लौटने की। नैनीताल कुमाऊ कृषि विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ.वी.पी.एस.अरोरा ने कहा कि शाश्वत् यौगिक कृषि पद्धति हमारी प्राचीन पद्धति है। यह कृषि पद्धति पूरे विश्व को नया मार्ग दर्शन देगी। इससे फसल के साथ कृषक के जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन आयेगा है।

ब्रह्माकुमारीज के ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु.मोहिनी ने कहा कि वनस्पति हमारे विचार व संवेदनाओं को ग्रहण करती है। हमारे शुद्ध विचारों के ऊर्जा के प्रभाव से खेती की गुणवत्ता भी उत्तम होती है। किसान को अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए पहले अच्छे विचारों की खेती करनी होगी। उन्होंने कहा कि जैसी वृत्ति वैसी दृष्टि, जैसा पानी वैसी वाणी होती है, इससे यह सिद्ध होता है कि प्रकृति और आत्मा का गहरा सम्बन्ध है। आत्मिक शक्ति के आगे हर शक्ति को बदलना ही होता है। अनेक किसानों ने योग के वायब्रेशन्स से युक्त वातावरण में

शेष भाग पृष्ठ 11 पर

सदस्यता शुल्क

भारत – वार्षिक 170 रूपये,
तीन वर्ष 510 रूपये
आजीवन 4000 रूपये
विदेश – 2000 *रूपये (वार्षिक)*

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry for Membership and complain (m)-09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।